



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 116]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 19, 2016/चैत्र 30, 1938

No. 116]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 19, 2016/CHAITRA 30, 1938

वाणिज्य विभाग

(वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 2016

जांच शुरूआत संबंधी अधिसूचना

विषय : चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और उक्रेन के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "आयरन अथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों", के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरूआत।

संख्या 14/12/2016-डीजीएडी—मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि, मै. जेएसडब्ल्यू स्टील लि., मै. एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जिन्हें आगे याचिकाकर्ता कंपनियां या आवेदक भी कहा गया है) ने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे आगे अधिनियम भी कहा गया है) और समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षतिनिर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे आगे नियमावली भी कहा गया है) के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष एक याचिका दायर की है जिसमें चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और उक्रेन (जिन्हें आगे संबद्ध देश भी कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "आयरन अथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों" (जिसे आगे संबद्ध वस्तु या विचाराधीन उत्पाद भी कहा गया है) के कथित पाटित आयातों पर पाटनरोधी जांच की शुरूआत और उन पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया गया है।

2. और यतः प्राधिकारी प्रथम दृष्टया यह पाते हैं कि संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटन, कथित पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य मौजूद हैं जो पाटनरोधी जाँच की शुरुआत को उचित ठहराते हैं, इसलिए प्राधिकारी एतद्वारा उक्त नियमावली के अनुसार कथित पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति की जांच की शुरुआत करते हैं ताकि कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण किया जा सके और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश की जा सके जिसे यदि लगाया जाए तो वह घरेलू उद्योग को हुई 'क्षति' को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी।

विचाराधीन उत्पाद

3. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद "आयरन आथवा नॉन एलाय स्टील के कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद अथवा हर प्रकार की चौड़ाई और मोटाई वाले अन्य एलाय स्टील, जो मिट्टी के न हों, प्लेटेड अथवा कोटेड न हों"। विचाराधीन उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/ कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद, क्वायल में हों अथवा क्वायल में न हों, शामिल हैं जिनमें स्लिट क्वॉयल अथवा शीट्स, ब्लैक्स शामिल हैं, वे चाहे एनील्ड अथवा बॉक्स एनील्ड में हों अथवा बैच एनील्ड में हों अथवा निरंतर एनील्ड हों अथवा अन्य किसी एनीलिंग प्रक्रिया में हों अथवा पूर्णतः सख्त अथवा आंशिक रूप से सख्त हों। संबंधित उत्पाद में कोल्ड रोल्ड/कोल्ड रिड्यूज्ड फ्लैट स्टील उत्पाद शामिल हैं जो प्राइम और नॉन प्राइम गुणवत्ता के अनुरूप हैं, वे चाहे 4 गुना ऊंची रिवर्सिबल मिल से रोल्ड हों अथवा न हों, 6 गुना ऊंची रिवर्सिबल मिल से रोल्ड हों, सेंडजीमिर मिल, 20 गुना ऊंची कोल्ड रोलिंग मिल, पिकलिंग लाइन्स एंड टेंडम कोल्ड रोलिंग मिल्स (पी एल टी सी एम), सतत एनीलिंग लाइन (सी ए एल) अथवा अन्य किसी कोल्ड रोलिंग/कोल्ड रिड्यूसिंग प्रक्रिया से अनहील्ड हों अथवा न हों। ये उत्पाद किसी भी किस्म, मानक, विशिष्ट और ग्रेड के तेल के बिना सप्लाई/आयलड किए जा सकते हैं। ये उत्पाद विभिन्न गुणवत्ता वाले स्टील को शामिल करके उनके अनुरूप हो सकते हैं परंतु पूर्णतः सख्त, आंशिक रूप से सख्त, वाणिज्यिक गुणवत्ता, ड्राइंग, डी ड्राइंग, एक्स्ट्राडीप ड्राइंग, इंटर स्टीटियल प्री स्टील, हाई स्ट्रेथ लो एलाय स्टील, एडवांस्ड हाई स्ट्रेथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रेथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलाय स्टील, एडवास्ट हाई स्ट्रेथ स्टील, अल्ट्रा हाई स्ट्रेथ स्टील, एलाय स्टील, माइक्रो एलायड स्टील, ट्रिप स्टील (ट्रांसफोरमेशन इन्ड्यूज्ड प्लास्टिसिटी), टिन मिल ब्लैक प्लेट्स (टीलएमबीपी) और अन्य कई गुणवत्ताओं तक सीमित नहीं हैं। इन स्टीलों का उत्पादन और आपूर्ति स्किन पास/टेम्पर रोलिंग सहित अथवा उसके बिना किया जा सकता है, भले ही वे एल्यूमिनियम किल्ड/नॉन एजीइंग गुणवत्ता के हों अथवा न हों तथा उनमें बोरॉन और/अथवा टाइटेनियम और/अथवा वेनाडियम अथवा भार की दृष्टि से किसी स्तर का उपयुक्त कोई अन्य घटक हो या न हो। इन स्टीलों का अनुप्रयोग विभिन्न अंतिम प्रयोगों तक फैल सकता है परंतु वे आटोमोटिव इंडस्ट्री उद्योग, ट्रेक्टरों, साइकिलों, उपकरणों, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनलों, पैकेजिंग, ड्रम, बैरलों, सामान्य इंजीनियरी, कोटिंग के लिए सबस्ट्रेट, कलर कोटिंग गेल्वेनाइजिंग, मैटल कोटिंग/प्लेटिंग, टिन प्लेट इत्यादि तथा अन्य कई अनुप्रयोगों तक सीमित नहीं है। निम्नलिखित को विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में शामिल नहीं किया गया है :

(क) स्टेनलैस स्टील।

(ख) हाई स्पीड स्टील अर्थात अलाय स्टील, अन्य घटकों सहित अथवा उनके बिना, तीन घटकों मोलिव्डेनम (एमओ), टंगस्टन (डब्ल्यू) और वेनाडियम (वी) में से कम से कम दो, जिनमें 7 प्रतिशत अथवा उससे अधिक के भार, 0.6 प्रतिशत अथवा उससे अधिक का कार्बन और 3 से 6 प्रतिशत का क्रोमियम पदार्थ संयुक्त हों।

(ग) सिलिकन इलैक्ट्रिकल स्टील जो ग्रेन ओरिएण्टेड और नॉन ग्रेन ओरिएण्टेड स्टील्स के अनुरूप हो अर्थात भार युक्त एलाय स्टील, कम से कम 0.6 प्रतिशत परंतु सिलिकन के 6 प्रतिशत से अधिक न हो और कार्बन के 0.08 प्रतिशत से अधिक न हो। इस स्टील में भार की दृष्टि से 1 प्रतिशत एल्यूमिनियम से अधिक भी नहीं हो सकता परंतु उत्पादन में ऐसा कोई घटक न हो जिससे स्टील में अन्य एलाय स्टील की विशेषताएं आ जाएं।

4. विचाराधीन उत्पाद का उपयोग विभिन्न अनुप्रयोगों और क्षेत्रों यथा आटोमोटिव, उपकरणों, फर्नीचर, इलैक्ट्रिकल पैनलों, सामान्य इंजीनियरी, पूंजीगत सामानों, निर्माण, ड्रम एवं बैरलों सहित पैकेजिंग, गेल्वेनाइजिंग, कलर कोटिंग, टिन प्लेट्स आदि सहित कोटिंग और प्लेटिंग नहीं किया जाता है।

5. विचाराधीन उत्पाद को सीमाशुल्क टैरिफ शीर्ष 7209, 7211, 7225 और 7226 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक हैं और वर्तमान जाँच के दायरे पर किसी भी प्रकार से बाध्यकारी नहीं है।

समान वस्तु

6. आवेदक ने दावा किया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जा रही संबद्ध वस्तु और भारत में पाटित की जा रही संबद्ध वस्तु समान वस्तुएं हैं। आवेदकों ने दावा किया है कि आवेदकों द्वारा उत्पादित की जा रही और संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से आयात किया जा रहा विचाराधीन उत्पाद भौतिक और रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, कार्य और प्रयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण जैसी अनिवार्य उत्पाद विशेषताओं की दृष्टि से तुलनीय हैं। ये दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और इसलिए नियमों के अंतर्गत इन्हें समान वस्तु माना जाना चाहिए। अतः वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ भारत में आवेदकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को संबद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से आयातित की जा रही संबद्ध वस्तु के 'समान वस्तु' माना जा रहा है।

घरेलू उद्योग

7. यह आवेदन मै. स्टील अथारिटी आफ इंडिया लि, मै. जेएसडब्ल्यू स्टील लि., मै. एस्सार स्टील इंडिया लिमिटेड और जेएसडब्ल्यू स्टील कोटेड प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा दायर किया गया है। रिकार्ड में उपलब्ध सूचना के अनुसार पूर्वोक्त चार उत्पादकों के उत्पादन का भारतीय उत्पादन में कुल घरेलू उत्पादन का प्रमुख हिस्सा बनता है।

8. इस प्रकार, आवेदन पूर्वोक्त तीन घरेलू उत्पादकों की योग्यता के संबंध में नियमावली के नियम 2(ख) और नियम 5(3) की अपेक्षाओं को पूरा करता है और यह कि उन्हें संबंधित नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग (डीआई) माना जाता है।

शामिल देश

9. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण., जापान, कोरिया गणराज्य और उक्रेन हैं।

सामान्य मूल्य

जापान और कोरिया गणराज्य

10. आवेदकों ने जापान और कोरिया गणराज्य के लिए सामान्य मूल्य को इन देशों के अपने-अपने मैटल बुलेटिन रीसर्च वीकली ट्रेकर फार स्टील में बताई गई घरेलू कारखाना-द्वार कीमत के आधार पर निर्धारित की है।

चीन जन. गण. और उक्रेन

11. चीन जन. गण. और उक्रेन के संबंध में, आवेदकों ने बताया है कि चीन जन. गण. और उक्रेन को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश माना जाना चाहिए और सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 और 8 के अनुसार किया जाना चाहिए। नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 8 के अनुसार, यह माना गया है कि चीन जन. गण. और उक्रेन में संबद्ध वस्तु के उत्पादक गैर बाजार अर्थव्यवस्था के अधीन प्रचालनरत हैं। उक्त गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता और प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा उसके खंडन के अधीन चीन जन. गण. और उक्रेन के लिए संबद्ध वस्तु के सामान्य मूल्य का अनुमान नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार किया गया है। आवेदकों ने प्रतिनिधि देश के रूप में जापान का सुझाव दिया है और चीन जन. गण. और उक्रेन के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण जापान में प्रचलित कीमत के आधार पर किया है। प्राधिकारी एतद्वारा चीन जन. गण. और उक्रेन के लिए प्रतिनिधि देश के रूप में जापान की उपयुक्तता के बारे में अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार सभी हितबद्ध पक्षों से टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं।

निर्यात कीमत

12. आवेदक ने भारत में आईबीआईएस से उपलब्ध सौदावार आयात आकड़ों के आधार पर सभी संबद्ध देशों के लिए निर्यात कीमत निर्धारित की है। अंतर्देशीय भाड़े, समुद्री भाड़े, समुद्री बीमा, सीमाशुल्क प्रहस्तन और निकासी प्रभारों और वैट के गैर-वापसी योग्य हिस्से (केवल चीन जन. गण. के लिए) के संबंध में कीमत समायोजन किए गए हैं।

पाटन मार्जिन

13. सामान्य मूल्य की तुलना कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की गई है जो संबद्ध देशों के संबंध में पर्याप्त पाटन मार्जिन दर्शाती है। इस बात के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का सामान्य मूल्य कारखाना-द्वार निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम दृष्टया पता चलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा भारतीय बाजार में संबद्ध वस्तु का पाटन किया जा रहा है।

14. भारी पाटन मार्जिन के पर्याप्त प्रथम-दृष्टया साक्ष्य हैं जो पाटनरोधी जाँच की शुरूआत को उचित ठहराते हैं।

क्षति और कारणात्मक संबंध

15. आवेदकों ने दावा किया है कि संबद्ध देशों से कथित पाटन के परिणामस्वरूप उन्हें वास्तविक क्षति हुई है और उन्होंने क्षति के संबंध में साक्ष्य प्रस्तुत किए हैं जो आयातों में समग्र रूप से और घरेलू उत्पादन और घरेलू मांग के संबंध में वृद्धि के रूप में हुई है। संबद्ध देशों से पाटन के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की क्षमता उपयोग, लाभ, नियोजित पूंजी पर आय, नकद लाभ आदि में गिरावट आई है।

16. आवेदकों ने प्रतिकूल कीमत प्रभावों का भी दावा किया है जो कीमत ह्रास, कम कीमत पर बिक्री और कीमत कटौती/कीमत न्यूनीकरण से साक्ष्यांकित होता है। प्राधिकारी मानते हैं कि संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण आवेदकों को क्षति होने के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं जो पाटनरोधी जाँच की शुरूआत को न्यायोचित ठहराते हैं।

जांच अवधि

17. वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि (पीओआई) जुलाई, 2015 से दिसम्बर, 2015 तक की है। तथापि, क्षति जाँच अवधि में अप्रैल 2012 से मार्च 2013, अप्रैल 2013 से मार्च 2014, अप्रैल 2014 से मार्च 2015, अप्रैल 2015 से दिसम्बर 2015 (वार्षिकीकृत) और जांच की अवधि (पीओआई) शामिल होगी।

पूर्व प्रभाव से शुल्क लगाना

18. आवेदकों ने निम्नलिखित कारणों की वजह से पूर्व प्रभाव से पाटनरोधी शुल्क लगाने के लिए अनुरोध किया है:

क. पाटन का इतिहास है और आयातकों को इस बात से अवगत होना चाहिए कि क्षति होती है।

ख. घरेलू उद्योग को क्षति तुलनात्मक कम समय में संबद्ध वस्तुओं के बड़े पैमाने पर पाटन के कारण हुई है जिनके समय पाटित आयातित संबद्ध वस्तुओं की मात्रा तथा अन्य परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लगाए जाने वाले पाटनरोधी शुल्क के उपचारात्मक प्रभाव का गंभीरतापूर्वक क्षीण होने की संभावना है।

19. हितबद्ध पक्षकार इस संबंध में अपने अनुरोध कर सकते हैं।

सूचना प्रस्तुत करना

20. संबद्ध देश में ज्ञात निर्यातकों, भारत में स्थित उनके दूतावास के जरिए उनकी सरकार, संबद्ध वस्तु से संबंधित समझे जाने वाले भारत में ज्ञात आयातकों व प्रयोक्ताओं और घरेलू उद्योग को अलग-अलग सूचित किया जा रहा है ताकि वे नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से समस्त संगत सूचना प्रस्तुत कर सकें। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी नीचे निर्धारित की गई समय सीमा के भीतर विहित प्रपत्र में एवं ढंग से जाँच से संगत अनुरोध कर सकता है। सूचना/अनुरोध निम्नलिखित को प्रस्तुत किए जाए:

**निर्दिष्ट प्राधिकारी
पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय**

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

वाणिज्य विभाग

भारत सरकार

चौथा तल, जीवन तारा बिल्डिंग, 5 संसद मार्ग, नई दिल्ली- 110001

समय-सीमा

21. वर्तमान समीक्षा से संबंधित कोई सूचना इस जाँच की शुरुआत के पत्र की तारीख से चालीस दिनों (40 दिनों) के भीतर उपर्युक्त पते पर प्राधिकारी के पास लिखित में भेजी जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अधूरी होती है, तो प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार, "उपलब्ध तथ्यों" के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं।

22. सभी हितबद्ध पक्षकारों को एतद्वारा सलाह दी जाती है कि वे इस समीक्षा जांच की शुरुआत की अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के भीतर वर्तमान मामले में अपने हित (हित के स्वरूप सहित) की सूचना दें और प्रश्नावली के अपने उत्तर दायर करें तथा घरेलू उद्योग के आवेदन पर अपनी टिप्पणियाँ प्रस्तुत करें। यह सूचना मूल प्रति तथा साफ्ट प्रति दोनों में ही प्रस्तुत की जानी चाहिए।

गोपनीय आधार पर सूचना प्रस्तुत करना

23. प्रश्नावली के उत्तर सहित प्राधिकारी के समक्ष कोई अनुरोध (उससे संलग्न परिशिष्ट/अनुबंध सहित) प्रस्तुत करने वाले पक्षकारों के लिए उसके किसी भाग के संबंध में "गोपनीयता" का दावा करने के मामले में निम्नानुसार दो अलग-अलग सैट प्रस्तुत करना अपेक्षित होगा:-

(क). गोपनीय रूप से अंकित एक सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि); और

(ख). अगोपनीय रूप में अंकित दूसरा सैट (शीर्षक, सूची, पृष्ठ संख्या आदि)।

24. "गोपनीय" या "अगोपनीय" अनुरोधों पर स्पष्ट रूप से प्रत्येक पृष्ठ पर "गोपनीय" या "अगोपनीय" अंकित होना चाहिए। ऐसे अंकन के बिना प्रस्तुत सूचना को प्राधिकारी द्वारा अगोपनीय माना जाएगा और प्राधिकारी अन्य हितबद्ध पक्षकारों को ऐसी अगोपनीय सूचना का निरीक्षण करने की अनुमति देने के लिए स्वतंत्र होंगे। दोनों पाठों की हार्ड कॉपियों के साथ साफ्ट कॉपियाँ पाँच (5) सैट में प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है।

25. गोपनीय पाठ में ऐसी समस्त सूचना होगी जो स्वाभाविक रूप से गोपनीय है और/अथवा ऐसी अन्य सूचना जिसके ऐसी सूचना के प्रदाता द्वारा गोपनीय होने का दावा किया गया है। स्वाभाविक रूप से गोपनीय होने का दावा की गई सूचना या अन्य कारणों से गोपनीयता का दावा की गई सूचना के संबंध में सूचना प्रदाता को प्रदत्त सूचना के साथ ऐसे कारणों का विवरण प्रस्तुत करना होगा कि उस सूचना का प्रकटन क्यों नहीं किया जा सकता है।

26. अगोपनीय रूपांतरण को उस सूचना, जिसके बारे में गोपनीयता का दावा किया गया है, पर निर्भर रहते हुए अधिमानतः सूचीबद्ध या रिक्त छोड़ी गई (यदि सूचीबद्ध करना व्यवहार्य न हो) और सारांशीकृत गोपनीय सूचना के साथ गोपनीय रूपांतरण की अनुकृति होना अपेक्षित है। अगोपनीय सारांश पर्याप्त विस्तृत होना चाहिए ताकि गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना की विषय वस्तु को समुचित ढंग से समझा जा सके। तथापि, आपवादिक परिस्थितियों में गोपनीय सूचना प्रदाता पक्षकार यह इंगित कर सकते हैं कि ऐसी सूचना का सारांश संभव नहीं है और प्राधिकारी की संतुष्टि के अनुसार इस आशय के कारणों का एक विवरण उपलब्ध कराया जाना चाहिए कि सारांश क्यों संभव नहीं है।

27. प्रस्तुत सूचना के स्वरूप की जांच करने के बाद प्राधिकारी गोपनीयता के अनुरोध को स्वीकार या अस्वीकार कर सकते हैं। यदि प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हैं कि गोपनीयता का अनुरोध अपेक्षित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता उक्त सूचना को सार्वजनिक करने या सामान्य रूप में अथवा सारांश रूप में उसके प्रकटन को प्राधिकृत करने का अनिच्छुक है तो वह ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

28. सार्थक अगोपनीय रूपांतरण के बिना या गोपनीयता के दावे के बारे में यथोचित कारण के विवरण के बिना किए गए किसी अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा रिकॉर्ड में नहीं लिया जाएगा।

29. प्रदत्त सूचना की गोपनीयता की जरूरत से संतुष्ट होने और उसे स्वीकार कर लेने के बाद प्राधिकारी ऐसी सूचना के प्रदाता पक्षकार के विशिष्ट प्राधिकार के बिना किसी पक्षकार को उसका प्रकटन नहीं करेंगे।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

30. पाटनरोधी नियमावली के नियम 6 (7) के अनुसार कोई हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अगोपनीय रूपांतरण रखे गए हैं।

असहयोग

31. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार उचित अवधि के भीतर आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्र सरकार को यथोचित सिफारिशें कर सकते हैं।

ए. के. भल्ला, अतिरिक्त सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th April, 2016

INITIATION NOTIFICATION

Subject: - Initiation of anti-dumping investigation concerning imports of “Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated”, originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine.

No. 14/12/2016-DGAD.—M/s Steel Authority of India Limited, M/s JSW Steel Limited, M/s Essar Steel India Limited and JSW Steel Coated Products Limited (hereinafter also referred to as petitioner companies or the applicants) have filed a petition before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of injury) Rules, 1995 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules) for initiation of anti-dumping investigation and imposition of anti-dumping duty on the alleged dumped imports of “Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated” (hereinafter also referred to as the subject goods or the Product Under Consideration), originating in or exported from China PR, Japan, Korea RP and Ukraine (hereinafter also referred to as the subject countries).

2. And whereas, the Authority prima facie finds that sufficient evidence of dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, injury to the domestic industry and causal link between the alleged dumping and the injury exist to justify initiation of an anti-dumping investigation, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping causing consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules, to determine the existence, degree and effect of dumping and recommend the amount of anti dumping duty, which if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Product under Consideration

3. The product under consideration (PUC) in the present investigation is “Cold rolled / cold reduced flat steel products of iron or non-alloy steel, or other alloy steel, of all widths and thickness, not clad, plated or coated”. The product under consideration includes cold rolled / cold reduced flat steel products in coils or not in coils including slit coils or sheets, blanks whether or not annealed or box annealed or batch annealed or continuously annealed or any other annealing process or full hard or partially hard. The product concerned covers cold-rolled / cold-reduced flat steel products conforming to prime or non-prime quality whether or not rolled from 4-high reversible mill, 6-high reversible mill, Sendzimir mill, 20-high cold rolling mill, Pickling Lines and Tandem Cold Rolling Mills (PLTCM), Continuous Annealing Line (CAL) or any other cold rolling / cold reducing processes. These products may be oiled or supplied without oil of any type, standard,

specification and grade. These products may be conforming to various qualities of steel including but not limited to full hard, partially hard, commercial quality, drawing, deep drawing, extra deep drawing, interstitial free steel, high strength low alloy steels, advance high strength steels, ultra high strength steels, alloy steels, micro-alloyed steel, TRIP steel (Transformation Induced Plasticity), tin mill black plates (TMBP), and many more qualities, whether or not vacuum degassed through any vacuum degassing process. These steels may be produced and supplied with or without skin pass / temper rolling, whether or not aluminium killed / non-ageing quality and whether or not containing Boron and / or Titanium and/or Vanadium or any other suitable elements of any level by weight. These steels may find applications spread across various end-usages including but not limited to automotive industry, tractors, bicycles, appliances, furniture, electrical panels, packaging, drums, barrels, general engineering, substrate for coating, color coating galvanizing, metal-coating / plating, tin plate etc. and many more applications. The following are not included in the scope of the product under consideration:

- a) Stainless Steel
- b) High Speed Steel, i.e., alloy steels containing, with or without other elements, at least two of the three elements Molybdenum (Mo), Tungsten (W) and Vanadium (V) with a combined content by weight of 7% or more, 0.6% or more of Carbon and 3 to 6% of Chromium.
- c) Silicon Electrical Steels confirming to Grain Oriented and Non- Grain Oriented Steels, i.e., alloy steels containing by weight, atleast 0.6% but not more than 6% of Silicon and not more than 0.08% of Carbon. This steel may also contain by weight not more than 1% of Aluminium but no other element in a proportion that would give the steel the characteristics of other alloy steel.

4. The PUC is used in many applications and sectors such as automotive, Appliances, Furniture, Electrical Panels, General engineering, Capital goods, Construction, Packaging including drums and barrels, Coating and Plating including Galvanizing, Color Coating, Tin Plates etc.

5. The PUC is classified under Custom Tariff Heading 7209, 7211, 7225 and 7226. The Customs classification is indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.

Like Article

6. The applicants have claimed that the subject goods being produced by the domestic industry are similar to the subject goods being dumped into India. The applicants have claimed that PUC produced by the applicants and originating in or imported from the subject countries are having comparable characteristics in terms of parameters such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable and hence should be treated as 'like article' under the Rules. Therefore, for the purpose of the present investigation, the subject goods produced by the applicants in India are being treated as 'like article' to the subject goods originating in or imported from the subject countries.

Domestic Industry

7. The application has been filed by M/s Steel Authority of India Limited, M/s. JSW Steel Limited, M/s Essar Steel India Limited and JSW Steel Coated Products Limited. As per the information available on record, the production of the aforesaid four producers accounts for a major proportion of the total domestic production in India.

8. The application, thus, satisfies the requirements of Rule 2(b) and Rule 5(3) of the Rules with regard to standing of the aforesaid three domestic producers and that they are treated as domestic industry (DI) within the meaning of Rule 2(b) supra.

Countries involved

9. The countries involved in the present investigation are China PR, Japan, Korea RP and Ukraine.

Normal Value

Japan and Korea RP

10. The applicants have determined the normal value for Japan and Korea RP on the basis of the domestic ex-works price as reported in Metal Bulletin Research Weekly Tracker for Steel for these respective countries.

China PR and Ukraine

11. With regard to China PR and Ukraine, the applicants have submitted that China PR and Ukraine should be treated as a non-market economy country and have determined the normal value in accordance with Para 7 and 8 of Annexure I of the Rules. In terms of Para 8 of Annexure 1 to the Rules, it is presumed that the producers of the subject goods in China PR and Ukraine are operating under non-market economy conditions. In view of the non-market economy presumption and subject to rebuttal of the same by the responding exporters, the normal value of the subject goods in China PR and Ukraine has been estimated in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. The applicants have suggested Japan as surrogate country and determined normal value in China PR and Ukraine as per the prices prevailing in Japan. The Authority hereby invites comments from all interested parties in accordance with para 7 of Annexure I about appropriateness of Japan as a surrogate country for China PR and Ukraine.

Export Price

12. The applicants have determined the export price for the product under consideration for all the subject countries based on the transaction wise import data available from IBIS in India. Price adjustments have been made on account of inland freight, ocean freight, ocean insurance, custom handling & clearance charges and non-refundable portion of VAT (only for China PR).

Dumping Margin

13. The normal values and the export prices have been compared at ex-factory level, which show significant dumping margins in respect of the subject countries. There is sufficient prima facie evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the ex-factory export prices, indicating, prima facie, that the subject goods are being dumped into the Indian market by the exporters from the subject countries.

14. There is sufficient prima-facie evidence of the significant dumping margins to justify initiation of antidumping investigation.

Injury and Causal Link

15. The applicants have claimed that they have suffered material injury and have furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping from the subject countries in terms of increase in imports in absolute terms and in relation to domestic production and domestic demand. The dumping from the subject countries has resulted in deterioration of capacity utilisation, profits, return on capital employed, cash profit etc. of the domestic industry.

16. The applicants have also claimed adverse price effects as evidenced by price suppression, price depression and price undercutting/underselling. The Authority considers that there is sufficient prima facie evidence of injury being suffered by the applicants caused by the dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries to justify initiation of an antidumping investigation.

Period of Investigation

17. The period of investigation (POI) for the present investigation is from July, 2015 to December, 2015. The injury investigation period will, however, cover the periods April 2012-March 2013, April 2013-March 2014, April 2014-March 2015, April 2015-Dec 2015 (Annualized) and the POI.

Retrospective imposition of duties

18. The applicants have requested for retrospective imposition of the antidumping duty due to following reasons:

- a. There is history of dumping and that the importers should have been aware that exporters practice dumping and that such dumping caused injury to the domestic industry

- b. The injury to the domestic industry has been caused by massive dumping of the subject goods in a relatively short time which in the light of the timing and volume of imported subject goods dumped and other circumstances is likely to seriously undermine the remedial effect of the antidumping duty liable to be levied.

19. The interested parties may make their submissions in this regard.

Submission of information

20. The known exporters in the subject countries and their Governments through their Embassies in India, importers and users in India known to be concerned with the subject goods and the domestic industry are being informed separately to enable them to file all the relevant information in the form and manner prescribed within the time limit set out below. Any other interested party may also make its submissions relevant to the investigation in the form and manner prescribed within the time limit set out below. The information/submissions may be submitted to:

The Designated Authority,
Directorate General of Anti-Dumping and Allied Duties,
Ministry of Commerce and Industry,
Department of Commerce
Government of India
4th Floor, Jeevan Tara Building, 5, Parliament Street,
New Delhi-110001

Time Limit

21. Any information relating to the present investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the address mentioned above not later than forty days (40 days) from the date of issuance of the letter intimating initiation of the investigation. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record its findings on the basis of the facts available on record in accordance with the AD Rules.
22. All interested parties are hereby advised to intimate their interest (including the nature of interest) in the instant matter and file their questionnaire responses and offer their comments to the domestic industry's application within forty days (40 days) from the date of issuance of the letter intimating initiation of the investigation. The information must be submitted in hard copies as well as in soft copies.

Submission of information on confidential basis

23. The parties making any submission (including Appendices/Annexure attached thereto), before the Authority including questionnaire response, are required to file the same in two separate sets, in case "confidentiality" is claimed on any part thereof:-
 - a) one set marked as Confidential (with title, number of pages, index, etc.), and
 - b) the other set marked as Non-Confidential (with title, number of pages, index, etc.).
24. The "confidential" or "non-confidential" submissions must be clearly marked as "confidential" or "non-confidential" at the top of each page. Any submission made without such marking shall be treated as non-confidential by the Authority and the Authority shall be at liberty to allow the other interested parties to inspect such submissions. Soft copies of both the versions will also be required to be submitted, along with the hard copies, in five (05) sets of each.
25. The confidential version shall contain all information which is by nature confidential and/or other information which the supplier of such information claims as confidential. For information which are claimed to be confidential by nature or the information on which confidentiality is claimed because of

other reasons, the supplier of the information is required to provide a good cause statement along with the supplied information as to why such information cannot be disclosed.

26. The non-confidential version is required to be a replica of the confidential version with the confidential information preferably indexed or blanked out (in case indexation is not feasible) and summarized depending upon the information on which confidentiality is claimed. The non-confidential summary must be in sufficient detail to permit a reasonable understanding of the substance of the information furnished on confidential basis. However, in exceptional circumstances, a party submitting the confidential information may indicate that such information is not susceptible to summary, and a statement of reasons why summarization is not possible must be provided to the satisfaction of the Authority.
27. The Authority may accept or reject the request for confidentiality on examination of the nature of the information submitted. If the Authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or if the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorize its disclosure in generalized or summary form, it may disregard such information.
28. Any submission made without a meaningful non-confidential version thereof or without good cause statement on the confidentiality claim shall not be taken on record by the Authority.
29. The Authority on being satisfied and accepting the need for confidentiality of the information provided, shall not disclose it to any party without specific authorization of the party providing such information.

Inspection of Public File

30. In terms of Rule 6(7) of the Rules, any interested party may inspect the public file containing non-confidential version of the evidence submitted by other interested parties.

Non-cooperation

31. In case where an interested party refuses access to, or otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Government as deemed fit.

A. K. BHALLA, Addl. Secy. & Designated Authority